केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 281 बुधवार 6 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बिजली बिल जमा कराने के नाम पर 40 हजार की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर थाना क्षेत्र में बिजली बिल जमा कराने के नाम पर एक युवक से 40 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित साहब अली ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित साहब अली का आरोप है कि उन्होंने आरोपी को बिजली बिल जमा करने के लिए 40 हजार रुपए दिए थे, लेकिन आरोपी ने न तो बिल जमा किया और न ही पैसे वापस किए। करीब एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद पुलिस ने गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वहीं, गौर थाना अध्यक्ष अतुल कुमार अंजान ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

साइबर ठगी: खाते से निकाल लिये 86 हजार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती पुलिस ने बैंक खाते से 86 हजार रुपये साइबर ठगी कर निकालने के मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में जुबेर अहमद निवासी पचपेड़िया थाना पुरानी बस्ती ने बताया कि उनके एक्सिस बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 86 हजार रुपया निकाल लिया। जुबेर अहमद ने इसकी ऑनलाइन शिकायत की है। पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

आरआई सीमा गौतम निलम्बित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अनियमितता के आरोप में बस्ती की आरआई सीमा गौतम को सस्पेंड कर दिया गया है। गोरखपुर में 172 माल वाहनों के सकल भार यान में अनाधिकृत ढंग से वृद्धि करने के आरोप में उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं, प्रयागराज आरटीओ इस मामले की जांच करेंगे। परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन की ओर से इनके निलंबन के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

निलंबन के दौरान यह परिवहन आयुक्त कार्यालय से संबद्ध रहेंगी। वाहन पोर्टल पर प्रदर्शित डाटा के अनुसार इन्होंने उक्त वाहनों की भार वृद्धि में पंजीयन अधिकारी का अनुमोदन नहीं लिया। माल वाहनों के सकल भार यान में वृद्धि अपनी आईडी से कर दी। गोरखपुर में आरआई के पद पर तैनाती के दौरान सीमा गौतम ने 10 सितंबर 2025 को यह अनियमितता की थी। जांच के बाद आरोप सही पाए जाने पर इन्हें निलंबित कर दिया गया है। प्रयागराज के आरटीओ को इनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पिता ने दर्ज कराया बेटे पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। परसरामपुर पुलिस ने पिता की तहरीर पर पुत्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में ऋषि पाठक निवासी साड़ी ने बताया कि उनका पुत्र विपुल आए दिन उनको और अपनी मांग के साथ मारपीट करता है। गाली देते हुए अक्सर जान से मारने की धमकी देता है। इस मामले में पुलिस ने विपुल पाठक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

ममता बनर्जी ने त्याग पत्र देने से इंकार किया

कोलकाता (आभा)। पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की हार के बाद मंगलवार (5 मई) को अपना पद छोड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने इसके साथ ही दावा किया कि यह चुनाव परिणाम जनता का वास्तविक जनादेश नहीं, बल्कि एक साजिश का नतीजा है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि उसकी लड़ाई निर्वाचन आयोग से थी, जिसने भाजपा के लिए काम किया। उन्होंने कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हमारी हार जनता के जनादेश से नहीं, बल्कि एक साजिश के तहत हुई है। मैं हारी नहीं हूं, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी। वे संवैधानिक मानदंडों के अनुसार कार्रवाई कर सकते हैं।'

ममता के इस ऐलान से सियासी खलबली मच गई है। बंगाल से कोलकाता तक इस बात के चर्चे हैं कि अगर चुनाव हारकर भी कोई मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं देता है तो आगे क्या हो सकता है और संविधान में ऐसे हालात से निपटने के लिए गवर्नर को कौन सी शक्तियां दी गई हैं?

दरअसल, भारत के इतिहास में यह पहला मौका है, जब कोई मुख्यमंत्री हार के बाद भी इस्तीफा देने से इनकार कर रहा है। ऐसे में अगर ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देती हैं तो राज्य के राज्यपाल के पास उन्हें बर्खास्त करने का संवैधानिक अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 164 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करते हैं और यही अनुच्छेद उन्हें बहुमत खोने की स्थिति में मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार भी देता है।

हालांकि, इस शक्ति का इस्तेमाल करने से पहले गवर्नर ममता से इस्तीफा मांग सकते हैं और इनकार करने पर तुरंत विधानसभा भंग कर सकते हैं। वैसे भी मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, 7 मई के बाद स्वतरू पुरानी विधानसभा भंग हो जाएगी। ऐसे में ममता को स्वतरू ही मुख्यमंत्री पद से विमुक्त माना जा सकता है लेकिन एक परंपरा बनी हुई है कि चुनाव में हारने के बाद मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा देते हैं, ताकि अगले मुख्यमंत्री की नियुक्ति का रास्ता साफ हो सके। संविधान विशेषज्ञ मानते हैं कि ममता बनर्जी इस्तीफा नहीं देती हैं तब भी नई विधान सभा के गठन और नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि राज्यपाल मौजूदा मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बगैर भी नई विधानसभा में नई सरकार का नया मुख्यमंत्री नियुक्त कर सकते हैं।मौजूदा हालात में अगर तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों द्वारा या किसी के भी द्वारा नई सरकार बनने में अड़चन पैदा की जाती है या किसी भी तरह का कानून–व्यवस्था का संकट खड़ा होता है तो राज्यपाल किसी भी संवैधानिक संकट या कानून–व्यवस्था से संबंधित संकट से बचने के लिए राज्य में अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लगाने की भी सिफारिश कर सकते हैं।

रूपये के लेन देन में हुई थी मनोज की हत्या, 2 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुलिस ने समय माता मंदिर के पास सड़क किनारे मिले मनोज तिवारी के शव के मामले का 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और हत्या में प्रयुक्त चाकू, खून से सना तौलिया, संदिग्ध कपड़े, पिकअप वाहन और मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार रुपए के लेनदेन को लेकर हत्या हुई थी।

यह घटना 2 मई को सामने आई थी, जब ग्राम कल्याणपुर करचौलिया के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की कार्रवाई शुरू की। मृतक की शिनाख्त मनोज तिवारी के रूप में हुई, जिसके बाद 3 मई को उनकी पत्नी कुमकुम की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई थी। एसओजी और कप्तानगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई की। 5 मई को फरेंदा सेंगर बगीचे के पास से दो आरोपियों शिवम गुप्ता (22) निवासी जिलेबीगंज, थाना पैकोलिया, और ऋषभ मिश्रा उर्फ राज मिश्रा (20) निवासी बिजरा, थाना हरैया को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान, दोनों आरोपियों ने मनोज तिवारी की हत्या करने की बात कबूल की। उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया टूटा हुआ चाकू, खून से सना तौलिया, संभावित रक्त लगे कपड़े, घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन (UP51T 5745) और पल्सर मोटरसाइकिल (UP51BY6621) बरामद की गई।अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए गठित टीम ने साक्ष्यों के आधार पर तेजी से कार्रवाई की, जिसके चलते घटना का सफल अनावरण हुआ। पुलिस अभी इस मामले में एक और व्यक्ति की तलाश कर रही है।

पूर्व उप निदेशक सूचना डॉ. दशरथ प्रसाद यादव सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रिटायर्ड इन्फॉर्मेशन जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित पूर्व सूचना निदेशकों और सूचना सेवा संवर्ग के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

स्व. अशोक प्रियदर्शी और स्व. उमेश कुमार सिंह चौहान की स्मृति में सूचना भवन लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में 11 सेवानिवृत्त अधिकारियों को न्यायमूर्ति राघवेन्द्र कुमार द्वारा सम्मानित किया गया, जिसमें बस्ती के सेवा निवृत्त उप निदेशक सूचना डॉ. दशरथ प्रसाद यादव भी शामिल है। डॉ दशरथ प्रसाद यादव के सम्मानित होने पर साहित्यकारों ,पत्रकारों ,शुभेच्छुओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

डॉ दशरथ प्रसाद यादव को सम्मानित किये जाने पर जगदीश लाल श्रीवास्तव, डॉ. एसपी मणि त्रिपाठी, डॉ. राम प्रताप यादव, राकेश श्रीवास्तव, दयानन्द पाण्डेय, राजेन्द्रनाथ तिवारी, हरीश पाल, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, संदीप गोयल, विनोद कुमार उपाध्याय, तिरूपति हरि लाल, अब्दुल वहीद, गौरीशंकर, नन्दलाल, शिवशंकर लाल श्रीवास्तव, डॉ. अजीत प्रताप, जगन्नाथ, अवनीश, लक्ष्मण यादव, लल्लन यादव, केके तिवारी, पवन कुमार श्रीवास्तव, रजनीश वैद्यनाथ, सर्वेश कुमार यादव, मनोज कुमार यादव आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 को निकली जागरूकता रैली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल आयोजन के लिए मंगलवार को एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसे जनपद न्यायाधीश शमसुल हक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व से अवगत कराना और अधिक से अधिक मामलों को सुलह–समझौते के माध्यम से निपटाने के लिए प्रेरित करना था। इस दौरान बैंकों और पराविधिक स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और लोगों को अपने मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए प्रोत्साहित किया।

नोडल अधिकारी प्रमोद कुमार गिरि ने बताया कि 9 मई को यह लोक अदालत जनपद न्यायालय, कलेक्ट्रेट मुख्यालय और सभी तहसील मुख्यालयों पर आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण आपसी सुलह के आधार पर किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवेंद्र कुमार–प्रथम ने जानकारी दी कि लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा–138 से संबंधित मामले, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वाद, पारिवारिक वाद, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जलकर विवाद (चोरी संबंधी मामलों सहित), सेवा एवं सेवानिवृत्ति लाभ से जुड़े विवाद, राजस्व और अन्य सिविल वादों का निपटारा किया जाएगा।

इस अवसर पर अपर जिला जज–प्रथम कमलेश कुमार, अपर जिला जज (एससी/एसटी एक्ट) रामकरन यादव, अपर जिला जज (पॉक्सो एक्ट) अनिल कुमार–ग्प्ट, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप, सिविल जज (सीडी) श्रीमती साबिहा खातून, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राज बाबू, आरिफ अहमद अंसारी सहित कई अन्य अधिकारी और अधिवक्ता उपस्थित रहे।

यूपी के विधानसभा चुनाव में भी जीत का रेकार्ड बनायेगी भाजपा–दयाराम चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने पश्चिम बंगाल, असम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में एनडीए की सरकार बनने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा है कि यह भाजपा के नीति, कार्यक्रम और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और भरोसे की जीत है। मंगलवार को अपने आवास पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ खुशियों को साझा करते हुये दयाराम चौधरी ने कहा कि पंजाब और उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनावों में भाजपा जीत का रेकार्ड बनायेगी।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि भाजपा को लगातार जीत मिलने के पीछे कड़ा परिश्रम, कल्याणकारी योजनायें और सबका साथ, सबका विकास का संकल्प है। उन्होने कहा कि जिस प्रकार से देश की जनता का भरोसा भाजपा नेतृत्व पर बढ रहा है उससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी नेतृत्व और देव तुल्य कार्यकर्ताओं के बूते मजबूत सरकार बनायेगी। कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी बड़ी भूमिका रही है। उन्होने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को जगाने का काम किया। कहा कि भाजपा का विजय रथ जन समर्थन से निरन्तर आगे बढता रहेगा।

भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा करने वालों में मुख्य रूप से राम बहादुर वर्मा,डब्लू चौधरी, आशीष चौधरी, लालचंद चौधरी,राजन पाण्डेय, अजय चौधरी,महेश, सैम चौधरी, महेंद्र चौधरी,वीरू चौधरी, मनीष चौधरी,फूलचंद्र,धीरज चौहान, प्रकाश निषाद,अभिषेक चौधरी,सचिन पाण्डेय, राहुल कुमार, उदयभान चौधरी, चंद्रभान, विनोद मौर्य के साथ ही भाजपा के अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

सम्मानित हुये शिक्षा मित्र: मुख्यमंत्री ने लाइव प्रसारण में दिया संदेश

–शिक्षामित्रों के बढ़े मानदेय का प्रतीकात्मक चेक वितरित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के जीआईसी परिसर में स्थित बहु उद्देशीय हाल में मंगलवार को परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षामित्रों के सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन बीएसए अनूप कुमार तिवारी के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्यतिथि गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, बीजेपी जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, डीएम कृतिका ज्योत्स्ना, सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते हुए किया। आयोजित कार्यक्रम में गोरखपुर से मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का सजीव संबोधन भी प्रसारित किया गया। इस दौरान शिक्षामित्रों के बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों जैसे शिक्षा गुणवत्ता सुधार, बालिका शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता, मध्यान्ह भोजन व समेकित शिक्षा आदि का अवलोकन करते हुए जानकारी ली।

– शिक्षा मित्रों में प्रसन्नता: योगदान पर चर्चा

मुख्यतिथि गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में शिक्षामित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री शुक्ल में शिक्षामित्रों के मानदेय में की गई वृद्धि को उनके प्रति सम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि इससे उनका मनोबल बढ़ेगा और वे और अधिक उत्साह से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र में लगातार सुधार कर रही है। शिक्षामित्रों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें सम्मान और बेहतर सुविधाएं देने का कार्य किया जा रहा है, जिससे प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने कहा कि यह आयोजन शिक्षामित्रों के समर्पण और प्रेरणा को सम्मानित करने का अवसर है, जो समाज निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षामित्रों को मानदेय वृद्धि की बधाई दी। ऑपरेशन कायाकल्प और निपुण भारत अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी साझा की।

इस दौरान मुख्यरूप से जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, एडी बेसिक संजय शुक्ल, विनोद त्रिपाठी, अमित मिश्र, आशीष श्रीवास्तव, आलोक त्रिपाठी, सतेंद्र श्रीवास्तव, ईश्वरचंद पाण्डेय, स्वप्निल श्रीवास्तव, सुनील त्रिपाठी, अमित सोनी, दिव्यांश त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह, गौरव त्रिपाठी, शिक्षामित्र संघ मंडल अध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल, संतोष भट्ट, अनिल द्विवेदी, राम पराग चौधरी, राणाप्रताप सिंह, राम अवतार, दिनेश उपाध्याय, चंदा शुक्ला, सुरेखा चौहान, मुद्रिका सिंह, वंदना, सीमा सिंह, पूर्णिमा यादव, अंजू सिंह, दीप्ति त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षा मित्र उपस्थित रहे।

बस्ती के स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का शानदार आगाज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। मंगलवार को तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का शानदार आगाज हुआ। राज्य स्तरीय बालक बालिका खो खो, हैंडबॉल , कबड्डी के खिलाड़ियों ने जीतने के लिए पूरे जोश के साथ खूब पसीना बहाया। अमर बलिदानी सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित वशिष्ठ महोत्सव का उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि वशिष्ठ महोत्सव मनाया जाना गौरव की बात है। इन्होंने आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। कार्यकम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए बताया कि प्रदेश के 51 जनपदों से 80 टीमें राज्य खो खो प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं।

बस्ती जनपद के हैंडबॉल, वालीबाल और कबड्डी से 35 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। उद्घाटन मैच में खो खो बालिका वर्ग में वाराणसी और श्रावस्ती के बीच खेला गया जिसमें वाराणसी 08 – 01 से विजेता रही। इसी संवर्ग में दूसरा मैच गोरखपुर ने देवरिया को 05 ऋ 04 से हराकर विजेता बनी। बालक संवर्ग में पहला मैच जौनपुर और अमरोहा के बीच खेला गया जो रोमांचक मुकाबले में टाई घोषित किया गया।

–खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम: युवाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का अवसर

कबड्डी प्रतियोगिता के बालक संवर्ग में कप्तानगंज की टीम ने बी आर एस एकेडमी गढ़ा गौतम को 20ऋ 18 के मुकाबले कराकर जीत दर्ज किया। बालिक संवर्ग के दूसरे मैच में बस्ती टाइगर ने कोटवा भरतपुर को हराकर 09– 07 से जीत दर्ज किया। बालिका संवर्ग में बी आर एस एकेडमी ने कप्तानगंज को 18 ,15 से हराकर विजेता बनी। बालिका संवर्ग में हैंडबॉल प्रतियोगिता के पहले मैच में स्टेडियम की टीम ने कड़े मुकाबले में बेगम खैर की टीम को 05, 04 से हराया।

इसके पूर्व मुख्य अतिथि महेश शुक्ल ने महर्षि वशिष्ठ के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया और द्वीप प्रज्वलित समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। बेगम खैर की बालिकाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बी आर एस एकेडमी गढहा गौतम की बालिकाओं ने द्वीप योगा, ग्रुप योगासन और रिंग डांस प्रस्तुत कर लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। हाजी मुहम्मद अमीन इण्टर कॉलेज हरैया के विद्यार्थियों ने बैड के साथ मार्च पास्ट कर उत्कृट प्रदर्शन किया ।

इस अवसर पर प्रभाकर ओझा, राम सिंह, विवेक श्रीवास्तव, रमेश चंद्र गुप्ता, रणधीर सिंह, मयंक श्रीवास्तव, मास्टर शिव, विजय श्रीवास्तव, चंद्र मणि श्रीवास्तव, कैलाश मोहन श्रीवास्तव, मेजर चंद्र शेखर शुक्ल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 मई 2026 बुधवार

सम्पादकीय

5 राज्यों का जनादेश

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणाम मिले—जुले रहे। असम, केरलम और पुडुचेरी के परिणाम अनुमानों के अनुरूप रहे तो पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजे अप्रत्याशित एवं नाटकीय राजनीतिक परिवर्तन को रेखांकित कर रहे हैं। असम के बारे में माना जा रहा था कि भाजपा सत्ता में वापसी करने में सफल रहेगी तो केरलम में कांग्रेस को कामयाबी मिलेगी। पुडुचेरी में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राह में कोई मुश्किल नहीं दिख रही थी। दो बड़े चुनावी राज्यों में से एक तमिलनाडु में नई—नवेली पार्टी टीवीके की भारी जीत ने राजनीतिक पंडितों को भी हैरान किया तो बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने लंबे समय से कायम ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। इन दोनों बड़े राज्यों में भारी राजनीतिक उलटफेर हुआ है।

पिछले कुछ वर्षों में असम भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व वाले राज्य के रूप में उभरा है। लगातार सत्ता में रहने के बावजूद उसकी सीटों में बढ़ोतरी दर्शाती है कि जनता सरकार के कामकाज से काफी संतुष्ट है। 2023 में विधानसभा क्षेत्रों के नए सिरे से परिसीमन ने भी भाजपा की राजनीतिक ताकत बढ़ाई है। बोडोलैंड में सहयोगी दलों और असम गण परिषद के साथ ने भी पार्टी को मजबूती दी। कल्याणकारी योजनाओं और मुख्यमंत्री हिमंत की लोकप्रियता भी उसके पक्ष में जाती है। दूसरी ओर कांग्रेस सांगठनिक स्तर पर एकदम लुंज—पुंज हो गई है। चुनावों के दौरान ही उसकी राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष के अलावा प्रचार अभियान समिति के प्रमुख जैसे दो दिग्गज नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। यह दर्शाता है कि राज्य की राजनीतिक हवा कांग्रेस के कितने विपरीत रही, जिसकी पुष्टि न केवल घटी हुई सीटों, बल्कि गौरव गोगोई जैसे नेता की हार में भी झलकती है, जिनके चेहरे पर पार्टी चुनाव लड़ रही थी।

केरलम में दस साल से वामपंथी सरकार सत्ता में थी, जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में हर पांच साल में सरकार बदलने वाले राज्य के राजनीतिक रुझान को धता बताते हुए सत्ता में वापसी की थी। इसलिए यहां राजनीतिक परिवर्तन अवश्यंभावी माना जा रहा था। भाजपा यहां राजनीतिक पैठ बढ़ाने के प्रयास तो भरपूर कर रही है, पर वे फलीभूत नहीं हो पा रहे। वैसे भाजपा के इन प्रयासों की कीमत वाम दलों को चुकानी पड़ी, क्योंकि वह दक्षिण केरल और हिंदुओं विशेषकर एझावा जैसे उन समुदायों को साधने की जुगत में है, जो पारंपरिक रूप से वाम समर्थक माने जाते हैं। इसीलिए, केरलम की राजनीतिक लड़ाई में कांग्रेस के लिए कोई खास मुश्किल नहीं थी। केरलम से विदाई के बाद अब किसी भी राज्य में वामपंथी दलों की सरकार नहीं रह गई है।

बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर भले ही कुछ राजनीतिक प्रेक्षक हैरानी जताएं, लेकिन राज्य की सत्ता तक उसकी पहुंच बस समय की ही बात थी। वर्ष 2019 से हो रहे चुनावों के समय से ही भाजपा करीब 40 प्रतिशत मतों के स्तर पर अटकी थी और इसमें पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी उसे राज्य की कमान दिलाने को पर्याप्त थी। यह चुनाव उसके सत्तारोहण का पड़ाव बनकर उभरा। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की भूमिका को भी भाजपा की चुनावी जीत में एक कारक माना जा सकता है, लेकिन यही इकलौता कारण नहीं रहा। राज्य की ममता बनर्जी सरकार लंबे समय से कायम सत्ता से उपजे असंतोष से भी जूझ रही थी।

विभिन्न योजनाओं को लेकर केंद्र के साथ उनका टकराव भी एक वर्ग को अखर रहा था कि राज्य को इसके चलते अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। ममता बनर्जी की निजी लोकप्रियता के बावजूद उन्हें सबसे अधिक दुष्परिणाम अपने स्थानीय कार्यकर्ताओं के मनमानेपन और बड़बोलेपन का ही भुगतना पड़ा, जो लोगों को आतंकित करने के साथ ही उनके दैनंदिन जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप भी करते थे। इस बार चुनाव आयोग द्वारा मुहैया व्यापक सुरक्षा छत्र राज्य सरकार से कुपित मतदाताओं को आश्वस्त करने वाला साबित हुआ और मतदान के रुझान से लेकर परिणाम भी इस पहलू को पुष्ट करते हुए प्रतीत होते हैं। भाजपा ने भी पिछले विधानसभा चुनाव में की गई गलतियों से सबक लेते हुए सकारात्मक अभियान पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका भी उसे लाभ मिला।

चुनाव परिणामों को लेकर सबसे हैरान करने का काम तमिलनाडु ने किया है, जहां 1967 के बाद पहली बार द्रविड़ केंद्रित राजनीति से इतर कोई दल सत्ता के शिखर पर उभरा है। तमिलनाडु की राजनीति पर फिल्म जगत का प्रभाव हमेशा से रहा है और देश में पहले भी बड़े राजनीतिक उलटफेर हुए हैं, लेकिन अभिनेता से नेता बने विजय की जीत कई मायनों में अप्रत्याशित रही है। एक समय एनटीआर ने समूचे आंध्र प्रदेश का दौरा कर अपनी सिनेमाई छवि को राजनीतिक स्वरूप दिया था, लेकिन उसकी तुलना में विजय ने ऐसा कुछ नहीं किया। आम आदमी पार्टी और असम गण परिषद जैसे एकाएक सफल हुए राजनीतिक प्रयोगों की पृष्ठभूमि भी कहीं न कहीं किसी सामाजिक—राजनीतिक आंदोलनों से जुड़ी रही, लेकिन विजय की टीवीके के साथ ऐसा भी कुछ नहीं रहा। इसलिए उनकी जीत वाकई चौंकाने वाली है।इन चुनावों से भाजपा को बड़ा राजनीतिक संबल मिलेगा। केरलम और तमिलनाडु में असफलता के बावजूद असम में पहले से अधिक मजबूती और बंगाल के प्रचंड जनादेश से उसका 'मिशन ईस्ट' लगभग पूरा हो गया है। इससे उत्साहित पार्टी दक्षिण में और मजबूती के साथ अपनी ताकत लगाएगी। तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक की ऐसी जबरदस्त हार विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए के लिए तगड़ा झटका है, क्योंकि ये इस गठबंधन के प्रमुख स्तंभ रहे हैं। उनकी हार से इस गठबंधन का संतुलन भी बदलेगा। कांग्रेस का दो राज्यों में दांव लगा था, जिसमें केरलम की जीत से उसे दम तो मिलेगा, लेकिन असम उसके लिए जिस तरह विषम होता जा रहा है, उसकी टीस उसे सालती रहेगी। लोकसभा सीटों के लिहाज से बड़े राज्यों में निरंतर हाशिए पर पहुंचना भी उसके लिए चिंतित करने वाला पहलू बनता जा रहा है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस जनादेश के बाद राजनीति की दिशा किस ओर जायेगी।

भाजपा के जीत का राजनीतिक निहितार्थ

—प्रमोद भार्गव—

पश्चिम बंगाल,असम, तमिलनाडु,केरल और पुडुचेरी के परिणाम आ गए हैं। बंगाल में भाजपा ने तृणमूल मुखिया ममता बनर्जी को बड़ा झटका देकर बंगाल को स्पष्ट बहुमत के साथ झटक लिया है। बंगाल का यह नतीजा उन पाखंडी बौद्धिकों को भी बड़ा सबक है,जो पूर्वाग्रही बने रहने के कारण निष्पक्ष नहीं रह पाते हैं। हालांकि सात में से पांच एग्जिट पोल ने जता दिया था कि असम और बंगाल में भाजपा इतिहास रचने जा रही है,सो रच भी दिया।लेकिन तमिलनाडु में परिणाम सटीक नहीं बैठे। एम के स्टालिन की द्रमुक को पोल साफ बहुमत दे रहे थे,जो सटीक नहीं बैठे। यहां हाल ही में अस्तित्व में आई अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके यानी तमिलगा वेट्री कजगम 100 सीटों की जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनके उभरी है। दूसरे नंबर पर एआईडीएमके—भाजपा गठबंधन है। अब यहां यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार किस गठबंधन के साथ बनती है। कांग्रेस चार सीटें जीत रही है, अतएव सरकार में उसकी कोई भूमिका नहीं रहेगी। केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन सरकार बना लेगा। पुडुचेरी में भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। असम में भाजपा हिमंत बिस्वा शर्मा एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे,इसमें कोई संशय नहीं है।

पांचों प्रांतों में मतदाताओं ने जबरदस्त मतदान करके इतिहास रचकर साफ संदेश दिया था, कि बदलाव की जबरदस्त लहर देखने में आएगी। हिंदुस्तानियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता करते हुए असम में भाजपा की वापसी कर दी,वहीं घुसपैठियों के लिए लाल कालीन बिछाने वाली ममता को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। तमिलनाडु में यही सबक स्टालिन को मतदाताओं ने दिया है। स्टालिन को सनातनी हिंदुत्व को मलेरिया और डेंगू कहने में कभी कोई परहेज नहीं रहा। राजभाषा हिंदी के विरोध में भी वे हमेशा खड़े दिखाई देते रहे हैं। इस चुनाव के परिणामों ने संदेश दे दिया है कि अब हिंदी,हिंदुत्व और हिंदुओं का विरोध करने वाले दल और राजनेता,भारतीय राजनीति में चल नहीं पाएंगे। कांग्रेस और राहुल गांधी के ऐसे ही आचरण के कांग्रेस लगातार रसातल में जा रही है। ये नतीजे उन नेताओं के लिए भी सबक हैं,जो आतंकवाद और आतंकियों की पैरवी में ऐसे खड़े हो जाते हैं, जैसे कोई राष्ट्रभक्त की वकालात कर रहे हों।

बंगाल में तृणमूल की पराजय के बाद जैसे वामदल अपना वजूद खोते चले गए,वही हश्र ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल का देखने में आ सकता है ? दरअसल असम एवं बंगाल में सबसे बड़ा कोई मुद्दा रहा है तो वह घुसपैठ और इन राज्यों में बढ़ता इस्लामीकरण है। अनेक सीमांत जिलों में घुसपैठ ने दोनों राज्यों में जनसंख्यात्मक घनत्व को बिगाड़ दिया है। कई जिलों में मुस्लिमों की आबादी 90 से 95 फीसदी तक पहुंच गई है। इन बदतर हुए हालातों के प्रति नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने मतदाताओं को जागरूक किया। हिंदू संदेशखाली और आरजीकर में हुए महिला दुष्कर्मों के चलते ध्रुवीकृत हुए। भाजपा ने इन मुद्दों को भुनाने की दृश्टि से आरजीकर अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देबनाथ को पानीहाटी और संदेशखाली आंदोलन की चेहरा रहीं रेखा पात्र को हिंगलगंज से उम्मीदवार बनाया था। ये दोनों महिलाएं चुनाव में जीत के लिए बढ़त बनाए हुए हैं। इन महिलाओं की उम्मीदवारी से बंगाल की महिलाओं में संवेदना जगी और बदलाव की लहर बनाने में उनकी प्रमुख भागीदारी रही। इन सब बिंदुओं ने बंगाल में लोकतंत्र की गरिमा को महिमामंडित करने का काम कर दिया। इसी का परिणाम रहा कि भाजपा को बंगाल में करीब 200 सीटें मिलने जा रही हैं। 15 साल राज करने वाली ममता को सौ सीटें भी नहीं मिल रही हैं। बंगाल में ऐसा 49 साल बाद संभव हो पाया कि निष्पक्ष मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग पूरी तरह चौकन्ना रहा। जहां से भी गड़बड़ी की खबर मिली, तुरंत एक्शन लिया। इस कारण लंबे समय तक अराजक तत्वों द्वारा मतदान रोकना संभव नहीं हो पाया। किसी भी झड़प को बड़े संघर्ष का रूप लेने से पहले ही केंद्रीय बलों के जवान उसे नियंत्रित करने में सफल दिखे। पहली बार अमल में लाई गई त्वरित प्रतिक्रिया (रिस्पांस) दल ने भी अपने दायित्व का पूर्ण रूप से पालन किया। बावजूद फालता में 21 मई को पुनर्मतदान होगा। यहां ईवीएम से छेड़छाड़ की गई। बूथ कब्जा लिए। एक ईवीएम पर तो भाजपा के चुनाव चिन्ह पर टेप चिपका मिला।

यदि 2.40 लाख सैन्य बलों की तैनाती नहीं होती तो बंगाल में लोकतंत्र बुरी तरह प्रभावित होता। दरअसल बंगाल में इसके पहले हुए चुनावों में तृणमूल के कार्यकर्ता और अवैध घुसपैठिए अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हिंदुओं को मतदान नहीं करने देते थे। इस बार सेना की कठोरता के चलते हिंदुओं ने धुर्वीकृत होकर मतदान में भागीदारी की। इसलिए इस बार बंगाल में पिछली बार की तुलना में करीब 9 प्रतिषत अधिक वोट पड़े थे,जो भाजपा के लिए संजीवनी साबित हुए। । आयोग ने एसआईआर के जरिए भी घुसपैठ करके अवैध मतदाता बने करीब 92 लाख मतदाताओं को मत से वंचित कर दिया था । इनमें से बढ़ा प्रतिषत तृणमूल के समर्थकों का रहा है, क्योंकि ये लोग जानते थे कि भाजपा आई तो बंगाल से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए मुस्तैद हो जाएगी।

बड़े मत प्रतिशत का सबसे अहम् , सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर देता है। हालांकि फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। निकट भविष्य में इस उम्मीद की पूरी होने की संभावना भी नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि दल व उम्मीदवारों को अल्पसंख्यक व जतीय समूहों की वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल जाता है। इससे कलांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। अतएव अगले चुनावों में हम देखेंगे कि क्षेत्र विषेश से जुड़े मतदाताओं की अहमियत लगभग खत्म हो जाएगी। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाएगा। लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति नगण्य हो जाएगी। एसआईआर के जरिए देश से घुसपैठिए बाहर कर दिए जाते हैं तो इस अवैध घुसपैठ से लाभ उठाने वाले नेताओं की भूमिका को भी जनता नकार देगी। जैसे कि असम और बंगाल में देखने में आने लगा है।

गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा

—पवन शुक्ला—

भारतीय राजनीति के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे आते हैं जो न केवल सत्ता का परिवर्तन करते हैं, बल्कि राष्ट्र की वैचारिक दिशा को भी एक नया मोड़ देते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में 'गंगोत्री से गंगासागर तक' भगवा ध्वज का फहराना केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन के प्रति जन—विश्वास की उद्घोषणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की यह प्रचंड जीत आधुनिक भारत के निर्माण की उस संकल्पना को सिद्ध करती है, जिसमें 'अंत्योदय' और 'राष्ट्रवाद' सर्वोपरि हैं।

किसी भी बड़ी जीत के पीछे एक सुदृढ़ संगठन होता है। भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, और इसकी सफलता का श्रेय इसके जमीनी कार्यकर्ताओं और रणनीतिकारों को जाता है। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तैयार किया गया 'पन्ना प्रमुख' मॉडल और बूथ स्तर तक की माइक्रो—मैनेजमेंट रणनीति ने विपक्ष के बड़े—बड़े गठबंधनों को ध्वस्त कर दिया।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का उदय

गंगा,जो गंगोत्री के हिमाच्छादित शिखरों से निकलकर गंगासागर के असीम विस्तार में विलीन होती है, भारत की आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।भाजपा की इस जीत ने इसी चेतना को राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। दशकों तक 'धर्मनिरपेक्षता' के नाम पर जिस सांस्कृतिक गौरव को हाशिए पर रखा गया था,आज वह मुख्यधारा का हिस्सा बन चुका है। काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प,अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माणकृये केवल बुनियादी ढांचे के विकास के कार्य नहीं हैं, बल्कि ये उस 'सांस्कृतिक भारत' की पुनर्स्थापना है जिसका सपना सदियों से देखा जा रहा था।

सुशासन और 'मोदी मैजिक'

इस प्रचंड विजय का एक प्रमुख आधार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र रहा है। भाजपा ने जातिवाद और तुष्टिकरण की पारंपरिक राजनीति को दरकिनार कर 'प्रो—इंकम्बेंसी' (सत्ता पक्ष के प्रति समर्थन) का एक नया दौर शुरू किया है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाया है। जब गंगोत्री के पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर गंगासागर के तटीय गाँवों तक बिजली, सड़क और स्वच्छ जल पहुँचता है, तो जनता का मत स्वतः ही 'कमल' की ओर झुक जाता है।

किसी भी बड़ी जीत के पीछे एक सुदृढ़ संगठन होता है। भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, और इसकी सफलता का श्रेय इसके जमीनी कार्यकर्ताओं और रणनीतिकारों को जाता है। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तैयार किया गया 'पन्ना प्रमुख' मॉडल और बूथ स्तर तक की माइक्रो—मैनेजमेंट रणनीति ने विपक्ष के बड़े—बड़े गठबंधनों को ध्वस्त कर दिया। चुनावी बिसात पर भाजपा की चालें इतनी सटीक रहीं कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भगवा लहर ने विरोधियों के किलों को ढहा दिया।

विकास और विरासत का संगम

भाजपा की इस जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक भारतीय मतदाता को 'विकास' भी चाहिए और अपनी 'विरासत' पर गर्व भी। एक तरफ जहाँ भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ योग, आयुर्वेद और अपनी प्राचीन परंपराओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का प्रयास भी जारी है। गंगोत्री से गंगासागर तक के इस सफर में डिजिटल इंडिया और जी—20 की अध्यक्षता जैसे वैश्विक पड़ावों ने भारतीयों के मन में यह विश्वास जगाया है कि भारत अब पिछलग्गू देश नहीं, बल्कि 'विश्वगुरु' बनने की राह पर है।

इस चुनाव परिणाम में एक महत्वपूर्ण पहलू 'नारी शक्ति' का उदय रहा है। महिला मतदाताओं ने साइलेंट वोटर के रूप में भाजपा के पक्ष में जमकर मतदान किया। तीन तलाक की समाप्ति और महिला आरक्षण बिल जैसे साहसिक निर्णयों ने महिलाओं के भीतर सुरक्षा और सशक्तिकरण का भाव भरा है। वहीं, युवाओं के लिए स्टार्टअप इंडिया और मुद्रा योजना जैसे अवसरों ने उन्हें एक आत्मनिर्भर भविष्य का सपना दिखाया है। युवा और महिला वर्ग के इस दोहरे समर्थन ने जीत के अंतर को 'प्रचंड' बना दिया।

विपक्ष की विखंडित विचारधारा और नेतृत्व के अभाव ने भाजपा के मार्ग को और प्रशस्त किया। जनता ने नकारात्मक राजनीति और वंशवाद को नकारते हुए 'नेशन फर्स्ट' (राष्ट्र प्रथम) की नीति को चुना है। गंगोत्री से गंगासागर तक फैली यह भगवा लहर केवल एक राजनीतिक दल का विस्तार नहीं है, बल्कि यह एक नए भारत का संकल्प है जो अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और आकाश को छूने की आकांक्षा रखता है।

गंगोत्री की पवित्रता से लेकर गंगासागर की व्यापकता तक, संपूर्ण भारत आज एक नई ऊर्जा से सराबोर है। भाजपा की यह प्रचंड जीत इस बात का प्रमाण है कि यदि नेतृत्व ईमानदार हो, दृष्टि स्पष्ट हो और इरादे नेक हों, तो जनता का आशीर्वाद अपार मिलता है। यह भगवामय भारत 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। अब जिम्मेदारी और भी बड़ी हैकृइस जनादेश का सम्मान करते हुए राष्ट्र को विकास की उन ऊंचाइयों पर ले जाना, जहाँ हर नागरिक गौरवान्वित महसूस कर सके। यह जीत केवल एक चुनाव का अंत नहीं, बल्कि एक स्वर्णिम युग का आरंभ है।

तकनीक का जाल या उपभोक्ता की मजबूरी?

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

दो—तीन वर्षों में नया मोबाइल खरीदनाकृयह केवल एक व्यक्ति का अनुभव नहीं, बल्कि आज के डिजिटल युग की एक व्यापक सच्चाई है। कभी तकनीक को जीवन को सरल, तेज और सुविधाजनक बनाने का माध्यम माना जाता था, लेकिन आज वही तकनीक कई बार उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक और मानसिक दबाव का कारण बनती दिखाई देती है। सवाल यह नहीं है कि तकनीक गलत है, बल्कि यह है कि उसका उपयोग और व्यापारिक ढांचा किस दिशा में जा रहा है।

मोबाइल कंपनियाँ हर वर्ष नए—नए मॉडल बाजार में उतारती हैं, जिनमें बेहतर कैमरा, तेज प्रोसेसर और आकर्षक डिजाइन का वादा किया जाता है। इसके साथ ही पुराने मोबाइल फोन के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट भी जारी किए जाते हैं। सिद्धांत रूप में ये अपडेट सुरक्षा और प्रदर्शन सुधारने के लिए होते हैं, लेकिन व्यवहार में कई उपयोगकर्ताओं को यह अनुभव होता है कि अपडेट के बाद उनका फोन धीमा हो जाता है, बैटरी जल्दी खत्म होती है और ऐप्स पहले की तरह सुचारू रूप से नहीं चलते। इस स्थिति ने "चसंददमक वइेवसमेबमदबम" यानी योजनाबद्ध अप्रचलन की बहस को जन्म दिया हैकृएक ऐसी रणनीति, जिसमें उत्पाद को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह कुछ समय बाद अप्रभावी हो जाए, ताकि उपभोक्ता नया उत्पाद खरीदने को मजबूर हो।

यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि हर बार कंपनियाँ जानबूझकर ऐसा करती हैं। तकनीकी रूप से, हर नया सॉफ्टवेयर अधिक उन्नत होता है और उसे अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। पुराने हार्डवेयर पर उसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन जब यही प्रक्रिया लगातार उपभोक्ता के अनुभव को खराब करती है, तो यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कंपनियाँ अपने उत्पादों की दीर्घकालिक उपयोगिता को लेकर पर्याप्त ईमानदार हैं। उपभोक्ता के पास विकल्प सीमित होते जा रहे हैंकृया तो वह धीमे होते फोन के साथ समझौता करे या फिर नया फोन खरीदे।

टेलीकॉम क्षेत्र में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। पहले जहाँ रिचार्ज प्लान 30 दिनों के होते थे, वहीं अब अधिकांश कंपनियाँ 28 दिनों का चक्र अपनाने लगी हैं। पहली नजर में यह अंतर छोटा लगता है, लेकिन साल भर में यह अंतर एक अतिरिक्त रिचार्ज में बदल जाता है। यानी उपभोक्ता को 12 के बजाय 13 बार भुगतान करना पड़ता है। यह एक सूक्ष्म लेकिन प्रभावी व्यावसायिक रणनीति है, जो कंपनियों के मुनाफे को बढ़ाती है, जबकि उपभोक्ता की जेब पर अतिरिक्त भार डालती है। यह व्यवस्था खासकर उन लोगों के लिए अधिक कठिन है, जिनकी आय सीमित है और जिनके लिए हर अतिरिक्त खर्च मायने रखता है।

डिजिटल सेवाओं के बढ़ते विस्तार के साथ ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) का उपयोग भी अत्यधिक बढ़ गया है। बैंकिंग, ऑनलाइन खरीदारी, सोशल मीडिया, यहाँ तक कि कई सरकारी सेवाओं के लिए भी ओटीपी अनिवार्य हो गया है। सुरक्षा की दृष्टि से यह एक आवश्यक कदम है, क्योंकि साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष यह है कि इससे उपयोगकर्ता अनुभव जटिल हो जाता है। हर छोटे काम के लिए ओटीपी की आवश्यकता प्रक्रिया को धीमा और कभी—कभी निराशाजनक बना देती है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास स्थिर नेटवर्क या आधुनिक उपकरण नहीं हैं, उनके लिए यह एक अतिरिक्त बाधा बन जाती है।

सबसे गंभीर मुद्दा डेटा की अनिवार्यता का है। आज के समय में इंटरनेट केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, यह शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं तक पहुँच का मुख्य माध्यम बन चुका है। ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल भुगतान, ई—गवर्नेंस सेवाएँकृये सभी इंटरनेट पर निर्भर हैं। ऐसे में डेटा खरीदना अब एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। लेकिन जब डेटा की कीमतें लगातार बढ़ती हैं या योजनाएँ जटिल होती जाती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। डिजिटल विभाजन (कपहपजंस कपअपकम) और गहरा हो जाता है, जहाँ एक वर्ग तेजी से आगे बढ़ता है, जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूट जाता है।यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता हैकृक्या इस स्थिति पर नियंत्रण संभव है? इसका उत्तर सरल नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, नियामक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियाँ उपभोक्ताओं के साथ पारदर्शिता बनाए रखें और ऐसी नीतियाँ न अपनाएँ जो अप्रत्यक्ष रूप से शोषण का कारण बनें। उदाहरण के लिए, रिचार्ज योजनाओं की अवधि और संरचना को लेकर स्पष्ट दिशा—निर्देश बनाए जा सकते हैं, ताकि उपभोक्ता को भ्रमित न किया जाए।

दूसरा, उपभोक्ता संरक्षण कानूनों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। यदि कोई कंपनी जानबूझकर अपने उत्पाद की कार्यक्षमता को कम करती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उपभोक्ताओं को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपने उपकरणों की मरम्मत आसानी से करा सकें। "त्पहीज जव त्मचंपत" जैसे विचार इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं, जो उपभोक्ताओं को अपने उत्पादों पर अधिक नियंत्रण देते हैं और उन्हें बार—बार नया उत्पाद खरीदने की मजबूरी से बचाते हैं।

शिक्षकों और शिक्षामित्रों के प्रति संवेदनशील है सरकार मानदेय वृद्धि परिश्रम का सम्मान –विधायक

संवाददाता–बहराइच। शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि को लेकर एक शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गोरखपुर में हुए शिक्षामित्र सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। प्रदेश सरकार ने शिक्षा मित्रों का मानदेय 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपये करने का निर्णय लिया है। यह कार्यक्रम नगर के कपूरथला परिसर स्थित उत्थान ऑडिटोरियम में हुआ। इसका शुभारंभ विधान परिषद सदस्य डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी, बलहा विधायक सरोज सोनकर और नानपारा विधायक राम निवास वर्मा ने किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गोरखपुर में आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। इस प्रसारण को उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में शिक्षा मित्रों ने देखा और सुना। बलहा विधायक सरोज सोनकर ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हमेशा शिक्षकों और शिक्षामित्रों के सम्मान तथा हितों के प्रति संवेदनशील रही है। उन्होंने मानदेय वृद्धि के निर्णय को शिक्षा मित्रों के परिश्रम का सम्मान बताया और कहा कि शिक्षा मित्र गांव–गांव में शिक्षा की रोशनी फैला रहे हैं। पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा मित्र केवल शिक्षक नहीं, बल्कि समाज निर्माण के शिल्पी हैं। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में उनकी भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। विधायक त्रिपाठी ने विश्वास व्यक्त किया कि मानदेय वृद्धि से शिक्षा मित्रों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा मित्रों का सम्मान और उनके जीवन स्तर में सुधार सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी शिक्षा मित्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह निर्णय उनके धैर्य और सेवा भावना की जीत है। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा मित्र जनपद की शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में उनका योगदान है। मुख्य विकास अधिकारी धनवंता ने कहा कि शिक्षा मित्र राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। उनके योगदान से ही समाज में जागरूकता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि शिक्षा मित्रों का समर्पण और अनुशासन सदैव प्रेरणादायक रहा है। सरकार के इस निर्णय से उनमें उत्साह बढ़ेगा और विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण बनेगा। सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान 10 चयनित शिक्षा मित्रों को प्रतीकात्मक रूप से डेमो चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी, शिक्षा मित्र संघ के विभिन्न पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में शिक्षा मित्र मौजूद रहे।

मुठभेड़ में दबोचा गया अंतरजनपदीय चोरी का इनामी आरोपी, पैर में लगी गोली

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने सोमवार की देर रात मुठभेड़ में चोरी व नकबजनी की घटना में फरार चल रहे सीतापुर जिले के 50 हजार रुपये के इनामी अंतरजनपदीय आरोपित को दबोच लिया। एसपी राहुल भाटी व एएसपी चंद्रकेश सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। आरोपित के पैर में गोली लगी है। इलाज के लिए उसे इकौना सीएचसी में भर्ती कराया गया। आरोपित के कब्जे से चोरी के जेवर, रुपये, तमंचा, कारतूस व खोखा बरामद हुआ है। एसपी ने पुलिस कार्यालय में मामले की जानकारी देते हुए बताया कि इकौना क्षेत्र में कई चोरी व नकबजनी की घटनाएं हुई थीं। इस संबंध में मामला दर्ज किया गया था। घटना का खुलासा करने के लिए अलग–अलग पुलिस टीम गठित की गई थी। सोमवार की रात इकौना थाने के प्रभारी निरीक्षक परमानंद तिवारी पुलिस टीम के साथ आरोपित की तलाश में निकले थे। टीम ने सरयू नहर बैराज सेमगढ़ा के पास एक आरोपित की घेराबंदी की।आरोपित ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने फायरिंग की तो आरोपित के पैर में गोली लगी। टीम ने दबोच लिया। नाम व पता पूछने पर आरोपित की पहचान सीतापुर जिले के तम्बौर क्षेत्र के औरी शाहपुर निवासी संजय लोनिया उर्फ संजू उर्फ लंबू के रूप में हुई। आरोपित के कब्जे से चोरी की दो जोड़ी पायल, तीन बिछिया, झुमकी, 720 रुपये, मटर माला, तमंचा, कारतूस व खोखा बरामद हुआ। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। आरोपित के विरुद्ध श्रावस्ती व सीतापुर जिले के थानों में 31 मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि रात को किसी न किसी घर में चोरी करते थे। बाइक से साथियों के साथ गांव में घूम कर रेकी करते थे। कौन सा घर गांव के बाहर है, किस ओर आसानी से निकलने का रास्ता है, कहां रात में सेंधमारी आसान होगी और घर के किस ओर खिड़की या दरवाजे से अंदर घुस सकते है, इसकी जानकारी लेते थे। घर में ईंट–पत्थर फेंक कर अंदर उपस्थित लोग की संख्या का पता लगाते थे, ताकि आसानी से घटना को अंजाम दे सकें।

सर्पदंश से किशोर की मौत, अस्पताल में डॉक्टर की पिटाई परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर किया हंगामा

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र में मंगलवार को सर्पदंश से 14 वर्षीय किशोर की मौत के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जमकर हंगामा हुआ। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एक डॉक्टर की पिटाई कर दी। कोटवा गांव निवासी नितेश (14) पुत्र विजेंद्र को अपने घर के पास स्थित झोपड़ी में सांप ने डंस लिया। परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुकरौली ले गए।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद इलाज में देरी हुई। उन्हें पहले पर्ची बनवाने को कहा गया और काफी देर बाद उपचार शुरू हुआ। नितेश की हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे गोरखपुर एम्स रेफर कर दिया, जहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और अस्पताल पहुंचकर हंगामा करने लगे। आरोप है कि उस समय अस्पताल में कोई जिम्मेदार स्टाफ मौजूद नहीं था। गुस्साई भीड़ ने डॉक्टर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान डॉक्टर प्रिंस गुप्ता ने पीछे के रास्ते से भागने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया और मारपीट की। बताया जा रहा है कि डॉक्टर को करीब दो बीघा दूर तक दौड़ाकर पीटा गया।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह डॉक्टर को भीड़ से बचाकर अपनी सुरक्षा में लिया। डॉक्टर प्रिंस गुप्ता ने बताया कि उन्होंने बच्चे का यथासंभव इलाज किया था और हालत गंभीर होने के कारण ही उसे रेफर किया गया था। फिलहाल अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ग्रामीण उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं, जबकि पुलिस दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले को शांत कराने का प्रयास कर रही है। तहसीलदार हाटा जया सिंह और कोतवाल संजय दुबे मौके पर पहुंच गए। पूर्व विधायक पवन केडिया भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन परिजन अभी भी मानने को तैयार नहीं हैं।

गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का हंगामा

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला नगर पंचायत स्थित बलुआ चौराहे के पास इंडियन गैस एजेंसी पर मंगलवार को उपभोक्ताओं ने जमकर हंगामा किया। गैस बुकिंग ट्रांसफर को लेकर नाराज उपभोक्ताओं ने सड़क जाम करने का भी प्रयास किया, जिसे पुलिस ने शांत कराया। मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं ने बताया कि मार्च माह की बुकिंग के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिले हैं। कुछ उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि 15 से 23 अप्रैल के बीच की गई बुकिंग भी बिना सूचना के ट्रांसफर कर दी गई। इसके अतिरिक्त, 26 मार्च तक की बुकिंग भी दूसरे स्थान पर भेज दिए जाने से उपभोक्ताओं में नाराजगी थी। स्थिति बिगड़ती देख गैस एजेंसी के मैनेजर ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सड़क जाम की स्थिति टल गई। एजेंसी के मैनेजर रोहित गोविंद राव ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि बुकिंग ट्रांसफर उच्च स्तर से किया जा रहा है और इसमें उनका कोई नियंत्रण नहीं है। हालांकि, इस जवाब से उपभोक्ता संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। फिलहाल, पुलिस की सूझबूझ से मामला शांत हो गया, लेकिन उपभोक्ताओं में समस्या को लेकर नाराजगी बनी हुई है।

शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ा, सम्मान समारोह, चेक वितरित

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के रविंद्र नगर स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार सुबह 11 बजे शिक्षा मित्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान सर्व शिक्षा अभियान से जुड़े शिक्षा मित्रों का मासिक मानदेय बढ़ाकर 18,000 रुपये करने की घोषणा की गई और प्रतीकात्मक रूप से चेक वितरित किए गए। समारोह की मुख्य अतिथि ग्राम्य विकास राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने चयनित शिक्षा मित्रों को चेक सौंपे। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में उनके 26 वर्षों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा मित्रों ने प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मंत्री ने बताया कि सरकार उनके हितों के प्रति प्रतिबद्ध है और यह मानदेय वृद्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री गौतम ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा मित्रों के कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत है। उनकी समस्याओं के समाधान पर गंभीरता से काम किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान सरकार ही शिक्षा मित्रों की सच्ची हितैषी है। इस अवसर पर रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव, देवरिया सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र कुशवाहा और पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य फूलबदन कुशवाहा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रविंद्र नारायण पाण्डेय ने किया। मानदेय वृद्धि की घोषणा पर बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षा मित्रों ने खुशी व्यक्त की।

नेपाल में बहराइच के युवकों पर चढ़ा पानी टैंकर, दो की मौत

संवाददाता–बहराइच। रोजगार की तलाश में नेपाल के धनगढ़ी गए जिले के तीन युवकों पर रात में सोते समय पानी का टैंकर चढ़ गया। दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक श्रमिक जिंदगी मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। यह हादसा धनगढ़ी के पास एक ईंट भट्ठे पर हुआ। मृतकों में एक किशोर शामिल है। सुजौली के बड़खड़िया ग्राम सभा के गुप्तापुरवा निवासी अजय (20), पवन (14) और घूरे (17) रोजगार के सिलसिले में सप्ताह भर पूर्व नेपाल गए थे। बताया जा रहा है कि तीनों धनगढ़ी में स्थित एक ईंट भट्ठे के पास झोपड़ी में सो रहे थे, तभी सोमवार देर रात ईंट भट्ठे का एक पानी टैंकर अनियंत्रित होकर झोपड़ी में घुस गया। टैंकर ने झोपड़ी में सो रहे तीनों भारतीयों को रौंद दिया। जिससे अजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पवन ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घूरे अभी भी धनगढ़ी के अस्पताल में जिंदगी मौत के बीच जूझ रहा है।

घटना के बाद नेपाल पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर मंगलवार को परिजनों को सौंप दिया। घायल घूरे का इलाज चल रहा है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। लेखपाल अरुण कुमार ने बताया कि मौके का मुआयना कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। एसडीएम राम दयाल ने बताया कि नेपाल प्रशासन से संपर्क साधा गया है। पीड़ित परिवार की हर संभव मदद की जाएगी।

2099 किसानों को मिला फसल बीमा के तहत 61.08 लाख का मुआवजा

संवाददाता–महराजगंज। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 में जनपद के किसानों को बड़ी राहत मिली है। इस सत्र में कुल 32,072 किसानों ने अपनी फसलों का बीमा कराया था, जिनमें से 2,099 किसानों ने फसल क्षति की सूचना दर्ज कराई। सत्यापन के उपरांत इन बीमित कृषकों को कुल 61.08 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की गई। इसी क्रम में मंगलवार को जनपद मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वाधिक क्षतिपूर्ति प्राप्त करने वाले 10 किसानों को डमी चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के प्रतिनिधि जगदीश मिश्रा ने किसानों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। क्षतिपूर्ति प्राप्त करने वाले किसानों में लखिमा थरुआ के तेजबहादुर पटेल को 1,50,848 रुपये, खेमपिपरा के केके त्रिपाठी को 1.32 लाख, बरगदही बसंतनाथ के राजेश कुमार पांडेय व राजमंदिर कला के प्रभाकर को 1.14–1.14 लाख, बरगदही बसंतनाथ के रामनाथ को एक लाख, दुर्गानाथ को 92 हजार प्रदान की गई।

वहीं, मटिहनिया चौधरी के सुभाषचंद्र को 98 हजार, पिपरा कल्याण के अशोक कुमार पटेल को 87 हजार, परसौनी बुजुर्ग के आदित्य पटेल को 63 हजार तथा किशुनपुर के हरिप्रसाद को 52 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में मौजूद किसानों ने कहा कि योजना के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई संभव हो रही है, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिला है। अधिकारियों ने भी योजना को किसानों के लिए सुरक्षा कवच बताते हुए अधिक से अधिक किसानों को इससे जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक संजीव कुमार, जिला उद्यान अधिकारी संजय कुमार रस्तोगी, जिला कृषि अधिकारी शैलेंद्र प्रताप सिंह, भारतीय स्टेट बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक भूपेंद्रनाथ मिश्रा, जिला समन्वयक सीएससी, भारतीय कृषि बीमा कंपनी के जिला समन्वयक अनूप कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा की रणनीतिक बैठक: बूथ से जन-जन तक विचारधारा पहुंचाने का मिशन तेज

संवाददाता–बलरामपुर। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। अटल भवन स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित जिला योजना बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने की, जबकि जिला वर्ग प्रभारी डॉ. रंजन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में आगामी दिनों में मंडल और बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा हुई। डॉ. रंजन शर्मा ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक और संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि पार्टी की नीतियां और विचारधारा सीधे आम जनता तक पहुंचाई जा सकें।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता नए सदस्यों को जोड़कर संगठन के दायरे का विस्तार करेंगे।

अवध क्षेत्र के उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने अनुशासन को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि मजबूत और अनुशासित कार्यकर्ता ही किसी भी राजनीतिक दल को सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाते हैं।रस्तोगी ने विश्वास व्यक्त किया कि बलरामपुर में आयोजित यह प्रशिक्षण वर्ग पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल बनेगा। जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और पार्टी की योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। बैठक का संचालन जिला महामंत्री एवं संयोजक डॉ. अजय सिंह 'पिंकू' ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. आरती तिवारी, सदर विधायक पल्टू राम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुर्गापुर केपी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद के सिरसिया क्षेत्र की ग्राम पंचायत दुर्गापुर केपी में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विभिन्न राज्यों में मिली जीत का जश्न मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में पहली बार, असम में लगातार तीसरी बार और पुडुचेरी में दूसरी बार भाजपा–एनडीए गठबंधन की सरकार बनने पर स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। इस कार्यक्रम का आयोजन ग्राम प्रधान और भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य अविनाश सिंह लव बाबा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर शक्ति केंद्र संयोजक भलर विश्वकर्मा, बूथ अध्यक्ष माफी राम, बूथ अध्यक्ष जगाई पासवान, जगराम यादव, निवास यादव, गुलबे यादव, बेचाई पासवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सभी उपस्थित लोगों ने पार्टी की इस जीत पर एकजुट होकर खुशी व्यक्त की। अविनाश सिंह लव बाबा ने कहा कि पार्टी की यह जीत जनता के विश्वास और मजबूत नेतृत्व का परिणाम है, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे विकास और जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार, 3.5 किलो अवैध गांजा बरामद

संवाददाता–देवरिया। गांजा की डिलीवरी देने पहुंचे तीन तस्करों को सदर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 3 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सदर कोतवाली पुलिस मंगलवार सुबह वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कुछ युवक रेलवे माल गोदाम के पास मादक पदार्थ के साथ मौजूद हैं और गांजा की डिलीवरी देने आए हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से कार्तिक पाण्डेय उर्फ अथर्व पाण्डेय (22), नीरज यादव (22) और सन्नी यादव (करीब 22) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से 3.5 किलो गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों में कार्तिक पाण्डेय बिहार के गोपालगंज का निवासी है, जबकि नीरज यादव और सन्नी यादव रामपुर कारखाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। तीनों के खिलाफ देवरिया सदर कोतवाली में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी कार्तिक पाण्डेय का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पहले से मारपीट, धमकी और आर्म्स एक्ट सहित कई मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। सन्नी यादव और नीरज यादव पर भी पूर्व में गंभीर धाराओं में केस दर्ज होने की जानकारी मिली है।

इस संबंध में क्षेत्राधिकारी सदर संजय रेड्डी ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

ज्येष्ठ के पहले बड़े मंगलवार पर भंडारे, बाबा बटौरा धाम से लेकर सभी हनुमान मंदिरों पर भीड़

संवाददाता–गोंडा। जिले में ज्येष्ठ माह के पहले बड़े मंगलवार को सैकड़ों स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालु भंडारों में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं और बजरंगबली का आशीर्वाद ले रहे हैं। इस अवसर पर बजरंगबली और बालाजी महाराज के भजन भी बजाए जा रहे हैं।

लोग एक–दूसरे को प्रसाद बांटते हुए भी नजर आ रहे हैं। कर्नलगंज स्थित बाबा बटौरा धाम सहित जिले के सभी हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है। मनकापुर, करनैलगंज, तरबगंज, परसपुर और कटरा बाजार सहित कई अन्य स्थानों पर भी भंडारे आयोजित किए गए हैं।

इन भंडारों में पूड़ी, सब्जी और मीठे सहित विभिन्न प्रकार के प्रसाद की व्यवस्था की गई है, जिसे लोग ग्रहण कर रहे हैं और अपने घरों को भी ले जा रहे हैं। भंडारों और भक्तों की भारी भीड़ के मद्देनजर गोंडा में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। गोंडा शहर से कुछ दूरी पर स्थित पूरे ललकपुर के श्री बालाजी मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। यहां श्री बालाजी मंदिर समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया है।

आयोजन समितियों को भंडारों के लिए पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आयोजक एक कार्ड और आवेदन देकर जिला पूर्ति कार्यालय से अनुमति प्राप्त कर कमर्शियल सिलेंडर ले रहे हैं। गोंडा के जिला पूर्ति अधिकारी कुंवर दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि उचित प्रपत्र उपलब्ध कराने पर कमर्शियल सिलेंडर के लिए अनुमति दी जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भंडारे या अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।

गैस न मिलने से एजेंसी पर पहुंची महिलाओं का फूटा गुस्सा, जाम किया सड़क

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल स्थित गैस एजेंसी से गैस न मिलने पर मंगलवार को महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित महिलाओं ने सड़क जाम कर दी। इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाम हटवाया। गैस एजेंसी द्वारा बीते कुछ दिनों से गैस की होम डिलिवरी शुरू की गई है। इसके बाद भी गैस न मिलने पर बड़ी संख्या में महिलाएं एजेंसी के बाहर इकट्ठा होकर मुख्य सड़क को जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक सड़क जाम रहने से आवागमन पूरी तरह बाधित रहा और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। महिलाओं का कहना है कि वे सुबह से ही गैस के लिए एजेंसी पर आई थीं।

एजेंसी पर कर्मचारी नहीं मिले। एजेंसी बंद मिली। इंतजार के बावजूद जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो महिलाओं ने सड़क जाम कर विरोध शुरू कर दिया। महिलाओं ने बताया कि गैस सिलेंडर न मिलने से उनके घरों में भोजन बनाने में समस्या हो गई है।

महिलाओं ने कहा कि रोजमर्रा के काम को छोड़कर एजेंसी पर आई थीं, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को समझा–बुझाकर शांत कराया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद महिलाओं ने जाम हटाया और यातायात सामान्य हो सका। एसओ मदन मोहन मिश्र ने बताया कि गैस के लिए कुछ लोगों ने सड़क जाम किया था। जाम हटवा दिया गया है। किसी प्रकार की अशांति की बात नहीं है।

बीएड परीक्षा में नकल करते पकड़ा गया छात्र

संवाददाता–देवरिया। बाबा राघवदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा के पहले दिन एक छात्र को नकल करते हुए पकड़ा गया। कॉलेज प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की। मंगलवार को "स्कूल मैनेजमेंट एंड लीडरशिप" विषय की परीक्षा के दौरान हुई। परीक्षा दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक चली। इस केंद्र पर देवरिया जनपद के 9 महाविद्यालयों के परीक्षार्थी शामिल हुए। कुल 761 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 738 उपस्थित रहे और 23 अनुपस्थित पाए गए। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं केंद्राध्यक्ष प्रो. प्रताप नारायण सिंह के निर्देशन में गठित आंतरिक उड़ाका दल ने जांच अभियान चलाया। इसी दौरान बाबू कैलाश प्रसाद महाविद्यालय, देवरिया के एक छात्र को अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

टूटी हाईटेंशन लाइन से किसान की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार को एक किसान की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। किसान साइकिल से कहीं जाने के लिए घर से निकले थे और रास्ते में खेत में जमीन पर गिरी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गए।

मृतक की पहचान प्रहलादा गांव निवासी बंसराज पुत्र हग्गन के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही किसान साइकिल सहित गिरी हुई हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आए, उन्हें तेज करंट लगा और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। और वह हाई टेंशन लाइन से ही लिपटे रह गए। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यह हाईटेंशन लाइन पिछले चार दिनों से खेत में टूटी पड़ी थी। कई बार संबंधित विभाग और अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई थी, लेकिन किसी ने इस पर संज्ञान नहीं लिया।

ग्रामीणों ने बताया कि तेज चल रही तेज हवाओं के कारण हाईटेंशन लाइन टूटकर नीचे गिर गई थी, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही को इस हादसे का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते टूटी हुई बिजली लाइन की मरम्मत कर दी जाती, तो एक निर्दोष किसान की जान बचाई जा सकती थी।

शिक्षामित्र सम्मान समारोहः सीएम योगी ने शिक्षामित्रों का बढ़ाया मानदेय, सकारात्मक सोच से कार्य करने का आह्वान

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिक्षा मित्र सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट आह्वान किया कि अब ट्रेड यूनियन वाली सोच और नकारात्मक वृत्ति को पूरी तरह त्याग देना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षक या शिक्षा मित्र अगर केवल मांगों पर अड़े रहेंगे और नकारात्मक सोच रखेंगे, तो वे न केवल बच्चों की नींव कमजोर करेंगे बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की पुण्य क्षति कर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा नेचर ट्रेड यूनियन जैसा नहीं हो सकता। पहले देश, फिर हम। सकारात्मक भाव के साथ कार्य करने वाले ही अच्छी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का अपने आपसे कॉम्पिटिशन होना चाहिए। सरकार सकारात्मक सोच के साथ आपके साथ पूरी तरह खड़ी है, इसलिए नकारात्मक भाव बिल्कुल नहीं आने चाहिए।

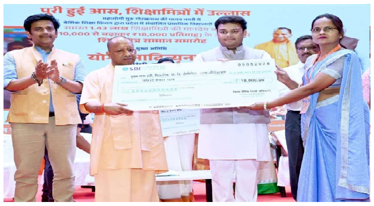

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से चली आ रही आपकी मांग को सरकार ने संवाद और सहयोग के माध्यम से हल किया है, न कि टकराव के रास्ते से। उन्होंने पिछली सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने बिना नियम–कानून के सहायक शिक्षक के रूप में मान्यता देने का कुत्सित प्रयास किया, जो पूरी तरह नियम–विरुद्ध था। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गलती के कारण सभी शिक्षा मित्रों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश दे दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सामने बड़ी चुनौती थी। डेढ़ लाख परिवार सड़कों पर भूखों मरने की नौबत पर आ सकते थे। इन्होंने 18–19 वर्षों तक सेवा दी है। उम्र के इस पड़ाव में ये कहां जाते? हमने मंत्रिमंडल में फैसला किया कि इनकी सेवाएं समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि इनका सहयोग लेंगे।

उन्होंने याद दिलाया कि 2017 में ही सरकार ने शिक्षा मित्रों का मानदेय साढ़े तीन हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया था। अब और वृद्धि करते हुए इसे 18 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है, जो अप्रैल महीने से लागू हो गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में एक शिक्षा मित्र परिवार आया था, जिसकी बेटी गंभीर रूप से बीमार है। उसकी डायलिसिस की व्यवस्था की मांग पर मुख्यमंत्री ने तत्काल संवेदना जताई और फैसला किया कि शिक्षा मित्रों को भी प्रधानमंत्री के कैशलेस स्वास्थ्य कवर की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 5 लाख रुपये का सालाना कैशलेस स्वास्थ्य कवर सभी शिक्षा मित्रों को उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी छूटे होंगे, उन्हें भी यह सुविधा दी जाएगी। बेसिक शिक्षा परिषद को तत्काल जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। बहुत शीघ्र एक भव्य समारोह आयोजित कर सभी को यह कार्ड प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब पैसा चेक या नकद नहीं, सीधे बैंक खाते में जाएगा। उन्होंने बेसिक शिक्षा परिषद को निर्देश दिए कि तत्काल किसी बैंक से समन्वय स्थापित कर सभी शिक्षा मित्रों के खाते खुलवाए जाएं। इससे न केवल मानदेय आएगा, बल्कि 5 लाख से 10 लाख तक का बीमा कवर भी मिलेगा, ताकि कोई दुर्घटना या घटना होने पर परिवार सुरक्षित रहे।

मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि सरकार ने शिक्षा मित्रों के लिए यह भी व्यवस्था की है कि उन्हें उनके जिले और नजदीकी विद्यालय में तैनाती दी जाए। खासकर शादीशुदा महिला शिक्षा मित्रों को मायके या ससुराल के निकट विद्यालय में म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्काल इस समस्या का समाधान निकाला जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया गया है और यह परिवर्तन साफ दिख रहा है। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालयों की हालत बदली गई है। पहले जहां टॉयलेट, पेयजल, फ्लोरिंग, फर्नीचर और स्मार्ट क्लास की उपलब्धता मात्र 30–36: थी, वह अब 96–99: हो गई है। ड्रॉपआउट दर 19: से घटकर 3: पर आ गई है। मुख्यमंत्री ने भावुक होकर कहा कि एक बच्चे का स्कूल छोड़ना केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षति है। पहले बालिकाएं इसलिए स्कूल नहीं जाती थीं क्योंकि वहां पेयजल, अलग टॉयलेट और सुरक्षा नहीं थी। आज 1 करोड़ 60 लाख बच्चों को दो यूनिफॉर्म, बैग, बुक्स, जूते, मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। निपुण भारत, पीएम श्री, कस्तूरबा विद्यालय आदि योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी विद्यालय को अब 12वीं तक बढ़ाया गया है और नए विकास खंडों में रेजिडेंशियल स्कूल खोले जा रहे हैं। पीएम श्री, अटल टिंकरिंग लैब, सीएम कंपोजिट और अटल आवासीय विद्यालय मॉडल बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि 2017 से पहले बच्चे एक लाइन भी नहीं पढ़ पाते थे, आज दूसरी कक्षा की बच्चियां पूरा पेज पढ़ रही हैं। एक दृष्टिबाधित बच्ची ब्रेल में फ्लुएंट बोल रही थी। एक 3 साल के बच्चे ने मुंडन पर कहा कि मैंने आपके जैसे बाल बनवाए हैं, ये बदलाव उन्हें गहराई से छू गया।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा मित्रों से आग्रह किया कि जुलाई के पहले सप्ताह में स्कूल खुलते ही 'स्कूल चलो' अभियान को तेज करें। शिक्षक आधा घंटा पहले स्कूल पहुंचें, 25–25 घरों में जाकर अभिभावकों से बात करें। बच्चों को प्यार से पढ़ाएं, कभी मारपीट न करें। अभिभावकों को भी जागरूक करें कि दी गई यूनिफॉर्म, स्वेटर आदि का सही उपयोग हो। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ प्यार से व्यवहार कीजिए। अच्छी कहानियां, कविताएं और उदाहरण देकर उन्हें प्रेरित कीजिए। परिवार की खींचतान स्कूल तक नहीं लाइए। मुख्यमंत्री ने समारोह के अंत में 1,43,000 शिक्षा मित्रों को बधाई दी और कहाकि आप लगन, ईमानदारी और सकारात्मकता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। शिक्षित समाज ही सशक्त राष्ट्र बनाएगा। यहीं से विकसित और आत्मनिर्भर भारत की नींव पड़ेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस समारोह में चयनित शिक्षा मित्रों को अपने करकमलों से सम्मानित किया और उन्हें बढ़े हुए मानदेय का चेक भी प्रदान किया। इनमें संगीता (गोरखपुर), प्रतिमा गुप्ता (गोरखपुर), फारिया तबस्सुम (गोरखपुर), तेजभान सिंह (कासगंज), धीरेंद्र कुमार शर्मा (फिरोजाबाद), संजय (महाराजगंज), शशि प्रभा सिंह (महाराजगंज), अभय कुमार (देवरिया), सुमन लता देवी (देवरिया), सर्वेश कुमार पांडे (कुशीनगर), अनुराधा (कुशीनगर), लालता प्रसाद (बस्ती), सोनू यादव (संत कबीर नगर) और मीरा (गोरखपुर) शामिल रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान 'विद्यार्थी नेतृत्व आधारित प्रार्थना सभा गतिविधि कैलेंडर अरुणोदय' का विमोचन किया। इस कैलेंडर का उद्देश्य प्रार्थना सभा को मात्र रूढ़िगत गतिविधि से ऊपर उठाकर विद्यार्थियों के समग्र विकास का माध्यम बनाना है।

इसमें पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ विज्ञान, गणित, भाषीय कौशल, परस्पर संवाद, विचार अभिव्यक्ति, रोल प्ले, एक्शन गीत तथा कला–क्राफ्ट जैसी गतिविधियों को शामिल किया गया है, ताकि बच्चे प्रार्थना सभा के दौरान ही सीख सकें और नेतृत्व गुणों का विकास कर सकें। इस कैलेंडर का विमोचन कर मुख्यमंत्री जी ने प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को एक बेहतरीन मार्गदर्शक उपलब्ध कराया। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने कई बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया और महिलाओं को उपहार प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने बेसिक शिक्षा से संबंधित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा बनाए गए नवाचारी मॉडल्स को देखा और उनकी सराहना की। उन्होंने नन्हे बच्चों से संवाद भी किया।

शिक्षिका को बचाने में बच्चों से भरी बस खाई में उतरी, बच्चे सुरक्षित

संवाददाता–अंबेडकरनगर। जलालपुर के भीखपुर पेट्रोल टंकी के पास मंगलवार की सुबह एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। डायनेमिक स्कूल की बस छात्रों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान स्कूटी सवार एक अध्यापिका को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाईं में उतर गई। गनीमत रही कि बस नहीं पलटी और पेड़ के डाल पर लटक गई। इससे उसमें सवार लगभग 40 स्कूली बच्चे सुरक्षित बच गए। घटना उस समय हुई जब श्रीपुर की शिक्षिका ज्योतिषना मरहरा रोड से स्कूटी से घर से निकलकर गौसपुर ककरहिया के पास नहर पर बनी पुलिया पार कर जलालपुर–बसखारी मार्ग पर चढ़ रही थीं। उसी समय बसखारी की ओर से आ रही स्कूल बस ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन असंतुलित होकर खाई में चली गई। इस दौरान स्कूटी सवार अध्यापिका बस की चपेट में आकर घायल हो गईं। उन्हें तत्काल मंगुराडिला स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कोतवाल अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि बस में सवार सभी बच्चे सुरक्षित हैं। किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

पहले बड़े मंगल पर राममंदिर में उमड़ी आस्था

संवाददाता–अयोध्या। ज्येष्ठ मास के पहले बड़े मंगल पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। परिसर स्थित श्री हनुमान मंदिर में अर्चकों द्वारा निरंतर पाठ किया गया और भक्तों के बीच भोग का लड्डू प्रसाद वितरित किया गया। सुहावने मौसम के कारण श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में बैठकर भव्यता का आनंद लिया। धूप न होने से दर्शनार्थियों को कहीं भी विश्राम कर वातावरण का सुख लेने का अवसर मिला। सभी मंदिरों और मंडपों के दर्शन प्रारंभ होने के बाद पूरे परिसर में श्रद्धा और उल्लास का माहौल रहा। पहली बार यहां बड़े मंगल का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र बना। भोजन प्रसाद ग्रहण करने वालों को भी हनुमानजी का लड्डू वितरित किया गया। जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र संवाद केंद्र द्वारा दी गई। नगर में जगह–जगह भंडारे का आयोजन किया गया है। वहीं, राम मंदिर में श्रद्धालुओं ने दर्शन के बाद हनुमान मंदिर में भी दर्शन किया।

कार्यालय ग्राम पोखरभिटवा वि.खं. सल्टौआ गोपालपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **पोखरभिटवा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **पोखरभिटवा** के निविदा बाक्स में दिनांक 12–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 06–05–2026 से दिनांक 11–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **पोखरभिटवा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **पोखरभिटवा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **पोखरभिटवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(लालजी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–पोखरभिटवा

(सेराज अहमद)
सचिव
ग्राम पंचायत–पोखरभिटवा

कार्यालय ग्राम बेलहसा वि.खं. सल्टौआ गोपालपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **बेलहसा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **बेलहसा** के निविदा बाक्स में दिनांक 12–05–2026 तक अपरान्ह 11:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 06–05–2026 से दिनांक 11–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **बेलहसा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **बेलहसा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बेलहसा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(शिवशंकर)
प्रधान
ग्राम पंचायत–बेलहसा

(सेराज अहमद)
सचिव
ग्राम पंचायत–बेलहसा

सीएम योगी ने दिया भरोसा, मत करें चिंता, हर समस्या का कराएंगे समाधान

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मिलने आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए, सरकार हर समस्या का प्रभावी समाधान कराएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लिए तथा समीप खड़े अफसरों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग–अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और निष्पक्ष होना चाहिए। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से कहा यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्चस्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। एस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में मुख्यमंत्री ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

रसोई गैस संकट पर प्रदर्शन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा क्षेत्र में रसोई गैस की गंभीर समस्या को लेकर आजाद अधिकार सेना ने मंगलवार को बांसी तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। संगठन ने जिलाध्यक्ष उपेन्द्र चतुर्वेदी के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी बांसी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि खेसरहा क्षेत्र में रसोई गैस की भारी कमी है। उपभोक्ताओं को लंबी वेटिंग का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कालाबाजारी भी बढ़ रही है। कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कमी से व्यापारियों को भी परेशानी हो रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। संगठन ने यह भी बताया कि मई 2026 में 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 933 रुपये और 5 किलोग्राम के छोटे सिलेंडर में 261 रुपये की बढ़ोतरी ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। आजाद अधिकार सेना ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। संगठन का आरोप है कि खराब योजना, दूरदर्शिता की कमी, बफर स्टॉक का अभाव और पारदर्शिता की कमी इस संकट के मुख्य कारण हैं। संगठन ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इस मुद्दे पर वेत पत्र जारी किया जाए, एक सर्वदलीय समिति का गठन हो, गैस आपूर्ति तत्काल सुचारू की जाए, कालाबाजारी पर रोक लगे और कीमतों में कोई और वृद्धि न हो। यह ज्ञापन उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती को सौंपा गया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी मीरा देवी पत्नी राम औतार ग्राम बेलसुही पोस्ट–ओड़वारा तहसील व जिला– बस्ती की निवासिनी हूं। आधारकार्ड में मेरा नाम मीरा देवी दर्ज है। कुछ स्थानों पर मेरा नाम सीमा देवी भी है। मीरा देवी और सीमा देवी दोनों मेरा नाम है अब मुझे मीरा देवी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–139/2025

विजय आरती

बनाम

रामचन्दर आदि

1. रामचन्दर पुत्र सुकई 2. हरिश्चन्द्र (मृतक) 2/1 राम किशुन पुत्र स्व0 राम तीरथ 3. राजेन्द्र पुत्र सुकई 4. तीरथ पुत्र सुकई 4/1 रामकिशुन पुत्र स्व0 तीरथ 5. झिनकान पुत्र सुकई साकिनान मौजा औरंगाबाद तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 27–05–2026

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 05 के 27 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 75/2025

थाना–रूधौली

जिला–बस्ती

साजिदा खातून

बनाम

परवेज आलम आदि

1. परवेज आलम उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र इनामुल्लाह 2. इनामुल्लाह उम्र लगभग 54 वर्ष पुत्र हदीस 3. नजबुननिशा उम्र लगभग 52 वर्ष पत्नी इनामुल्लाह 4. मुस्तकीम उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र इनामुल्लाह 6. रेहाना खातून उम्र लगभग 33 वर्ष पत्नी मुस्तकीम निवासीगण ग्राम करौता पोस्ट कुसुम्ही थाना डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 01–06–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 01 मास 06 सन् 2026 को बजे पूर्वान्हे/अपरान्हे में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 435/ 2022

प्रकीर्ण दीवानी अपील सं0–39/2023

न्यायालय– श्रीमान जनपद न्यायाधीश सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर

मोहन आदि

बनाम

रामधीरज आदि

3. गोवर्धन बालिग पुत्र पुद्दन 4. मुरलीधर बालिग पुत्र बुधिराम 6. तीरथ उर्फ रामतीरथ बालिग पुत्र लाल बिहारी उर्फ बिहारी समस्त निवासीगण ग्राम परसा खुर्द तप्पा कोप परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थनगर

प्रत्युत्तरदातागण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 15–05–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **15–05–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

सिद्धार्थनगर को मिल सकती हैं नई रेल सुविधाए

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले समेत पूर्वांचल के रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। रेल मंत्रालय की ओर से सांसद को भेजे गए पत्रों में कई नई रेल सेवाओं और परियोजनाओं को मंजूरी देने की जानकारी दी गई है, जबकि कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों के विस्तार पर प्रक्रिया जारी है। रेल मंत्री द्वारा भेजे गए पत्रों के अनुसार गोरखपुर (नकहा जंगल) से गोंडा के बीच नई डेमू रेलगाड़ी चलाने को स्वीकृति मिल गई है। इससे दैनिक यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। वहीं दिल्ली से गोरखपुर होते हुए सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और गोंडा मार्ग पर नई अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन को भी मंजूरी प्रदान की गई है, जो क्षेत्र को राजधानी से बेहतर जोड़ने का काम करेगी। इसके अलावा गोरखपुर से बढ़नी होते हुए लखनऊ (डालीगंज) तक नई पैसेंजर रेलगाड़ी के संचालन को भी हरी झंडी दी गई है। इससे बढ़नी और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा और आवागमन आसान होगा। रेल मंत्रालय ने बहराइच–श्रावस्ती– बलरामपुर–खलीलाबाद नई रेल लाइन परियोजना पर तेजी से काम किये जाने की जानकारी दी है। इस परियोजना के तहत लगभग 50 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है और शेष प्रक्रिया तेजी से जारी है। अधिकारियों के अनुसार मार्ग परिवर्तन और निर्माण कार्यों में भी प्रगति हो रही है। वहीं कानपुर–गोरखपुर चौरीचौरा एक्सप्रेस (15003/15004) को बढ़नी तक बढ़ाने तथा गोरखपुर–आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस (12571/12572) को प्रतिदिन चलाने की संभावना पर भी व्यवहारिकता की जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com